Hindi Murli Quiz 12-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **मनुष्य बिल्कुल ही अज्ञान के अन्धकार में भटक रहे हैं। आज की मुरली के अनुसार उन सभी बातों का चयन करें जो मनुष्यों को अज्ञान के कारण नहीं मालूम हैं-----**

- A. ☑ यह लक्ष्मी-नारायण भी मनुष्य का मर्तबा है, इन्होने यह मर्तबा कैसे पाया।
- B. ☑ आत्मा क्या है, कैसी है, कहॉ से आत्मा आती है, कैसे जन्म लेती है।
- C. ☑ यह किसको पता नही कि राधे-कृष्ण ही लक्ष्मी-नारायण बनते है।
- D. ☑ कैसे इतनी छोटी आत्मा मे 84 जन्मो का पार्ट भरा हुआ है, यह कोई भी नहीं जानते।
- E. ☑ कृष्ण स्वर्ग का मालिक था परन्तु मनुष्य कहते कि कृष्ण ने द्वापर मे गीता सुनाई।
- F. ☑ आत्मा बाप को पुकारती है परन्तु बाप को न देखा है, न यथार्थ रीति जानती है।

Q.2) **आत्मा बाप को पुकारती है परन्तु न देखा है, न यथार्थ रीति जानती है। पहले तो आत्मा को यथार्थ रीति जानते तब बाप को जानते। अपने को ही नहीं जानते तो समझाये कौन? इसको कहा जाता है-सेल्फ रियलाइज करना। सो बाप बिगर तो कोई करा न सके। आत्मा क्या है, कैसी है, कहॉ से आत्मा आती है, कैसे जन्म लेती है, कैसे इतनी छोटी आत्मा मे 84 जन्मो का पार्ट भरा हुआ है, यह कोई भी नहीं जानते।**

- A. ○ False / ये वाक्य गलत है
- B. ◉ True / ये वाक्य सही है

Q.3) **आज की मुरली के अनुसार धारणा के सभी मुख्य पॉइंट्स चयन करें ---**

- A. ☑ कोई भी देहधारी से लगाव नही रखना है।
- B. ☑ कोई विकर्म नहीं करना है।
- C. ☑ . 5 तत्वों के बने इन शरीरो को देखते हुए याद बाप को करना है।
- D. ☑ किसी के शरीर छोड़ने पर चिंता नहीं करनी है।
- E. ☐ पुरानी दुनिया से उपराम रहना है।

Q.4) **"आप पुण्य आत्माओं के ----------मे इतनी विशेष शक्ति है जिस शक्ति द्वारा असम्भव को सम्भव कर सकते हो, नाउम्मीदवार को उम्मीदवार बना सकते हो। सिर्फ हर सेकण्ड, हर ----------की वैल्यू को जान, ----------और सेकण्ड को यूज कर पुण्य की पूंजी जमा करो।"**
[निम्नलिखित उत्तरों में से एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

- A. ◉ संकल्प
- B. ○ बोल
- C. ○ कदम

Q.5) **"बच्चे जानते है हमको अभी स्वर्ग मे जाना है, बाकी सबको मुक्ति [मूलवतन] में जाना है। सब तो सतयुग मे आ नही सकते। तुम्हारा है डीटीज्म। यह हो गया मनुष्य का धर्म। मूलवतन मे तो मनुष्य नही हैं ना। यहाँ है मनुष्य सृष्टि। मनुष्य ही तमोप्रधान और फिर सतोप्रधान बनते हैं।"**

- A. ◉ True
- B. ○ False

Q.6) **"सतयुग मे तो अकाले मृत्यु होती ही नही। समय पर एक शरीर छोड़ दूसरा ले लेते हैं। साक्षात्कार होता है- अब यह शरीर बूढा हुआ है फिर नया लेना है, छोटा बच्चा जाकर बनना है। खुशी से शरीर छोड देते हैं। यहाँ तो भल कितने भी बूढे होगे, रोगी होगे और सोचेंगे भी कि यह शरीर छूट जाए तो अच्छा है,फिर भी मरने के समय रोयेंगे जरूर।"**

- A. ◉ True
- B. ○ False

Q.7) **"जैसे बच्चा पहले जानता है क्या कि बैरिस्टर क्या होता? पढ़ते-पढते बैरिस्टर बन जाता है । तो यह लक्ष्मी-नारायण भी पढाई से बने हैं । बैरिस्टरी, डॉक्टरी आदि सबके किताब होते हैं ना । इनका किताब फिर है ----------।"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. वेद
B. शास्त्र
C. उपनिषद
D. गीता

Q.8) **"तुम खुदाई खिदमतगार सच्चे सैलबेशन आर्मी हो, तुम्हें सबको ----------की सैलवेशन देनी है । "**
[निम्नलिखित शब्दों में सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. हिम्मत
B. शान्ति
C. पवित्रता
D. सुख

Q.9) **वाक्यों के अर्थ अनुसार ही उनको मिलाएं -----.**

	Choice	Match
A	जो शान्ति की सैलवेशन मांगते हैं उन्हें बोलो,	शान्ति तो शान्तिधाम मे ही मिल सकती है ।
B	आत्मा को शान्तिधाम में शरीर नही होता है,	इसलिए वहां शान्ति मे रहती है ।
C	अन्त में इम्तहान की रिजल्ट निकलेगी और साक्षात्कार होगा,	फिर पछतायेंगे कि हम तो श्रीमत पर नहीं चले ।
D	5 तत्वों के इस शरीर अथवा किसी देहधारी से लगाव नही रखना,	क्योंकि तत्वों की थोड़े ही पूजा अथवा याद करनी है ।
E	बाप कहते हैं- मनमनाभव, मध्याजी भव,	अर्थात बाप को और विष्णुपुरी को याद करो ।
F	भगवान थोड़ेही आपेही पूज्य, आपेही पुजारी बनेगे,	अगर वह भी पुजारी बने तो फिर पूज्य कौन बनाये?

Q.10) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	त्रिमूर्ति, गोला और झाड,	यह है मुख्य चित्र ।
B	ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा, दोनों का कनेक्शन है ना,	ब्रह्मा-सरस्वती सो फिर लक्ष्मी-नारायण बनते है ।
C	चढती कला एक जन्म मे होती है,	परन्तु उतरती कला मे 84 जन्म लगते है ।
D	अभी तुमको निश्चय है कि सत्य बाप द्वारा हम नर से नारायण बन रहे हैं,	मनुष्य को कभी बाप, टीचर, गुरू नही कहा जाता ।
E	यहाँ तो शिवबाबा के पास जन्म लेते हो,	फिर शिवबाबा तुमको पढाते है फिर साथ भी ले जायेगे ।
F	हर कर्म अधिकारी पन के निश्चय और नशे से करो,	तो मेहनत समाप्त हो जायेगी ।